गरम जलेबी

किसे बताऊँ,
कहाँ मैं जाऊँ?

गरम जलेबी,
कैसे पाऊँ?

कैसे करके,
उसे मैं खाऊँ?

कैसे कोई,
जुगत लगाऊँ?

मम्मी को मैं,
कैसे मनाऊँ?

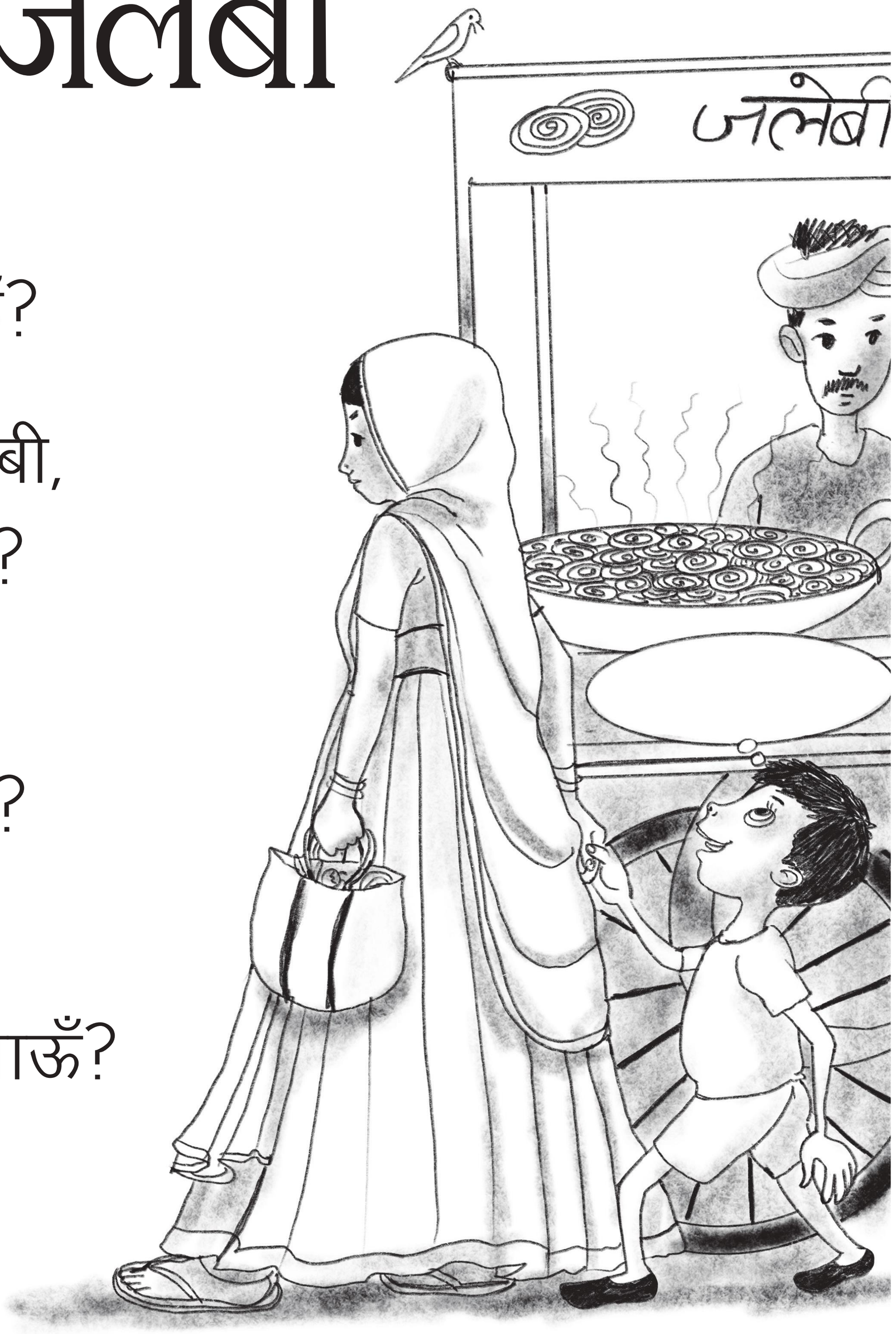

कविताः द्रोण साहू
चित्रांकनः निलेश गहलोत

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

Designed by www.stelladesignandprint.com

चूहा बोला

चूहा बोला,
ओ सुआ!
मुझको तुमने,
क्यों छुआ?

सुआ बोला,
ओ चूहा!
छू लिया तो,
क्या हुआ?

आ खाएँगे,
मिलकर दोनों,
मालपुआ।

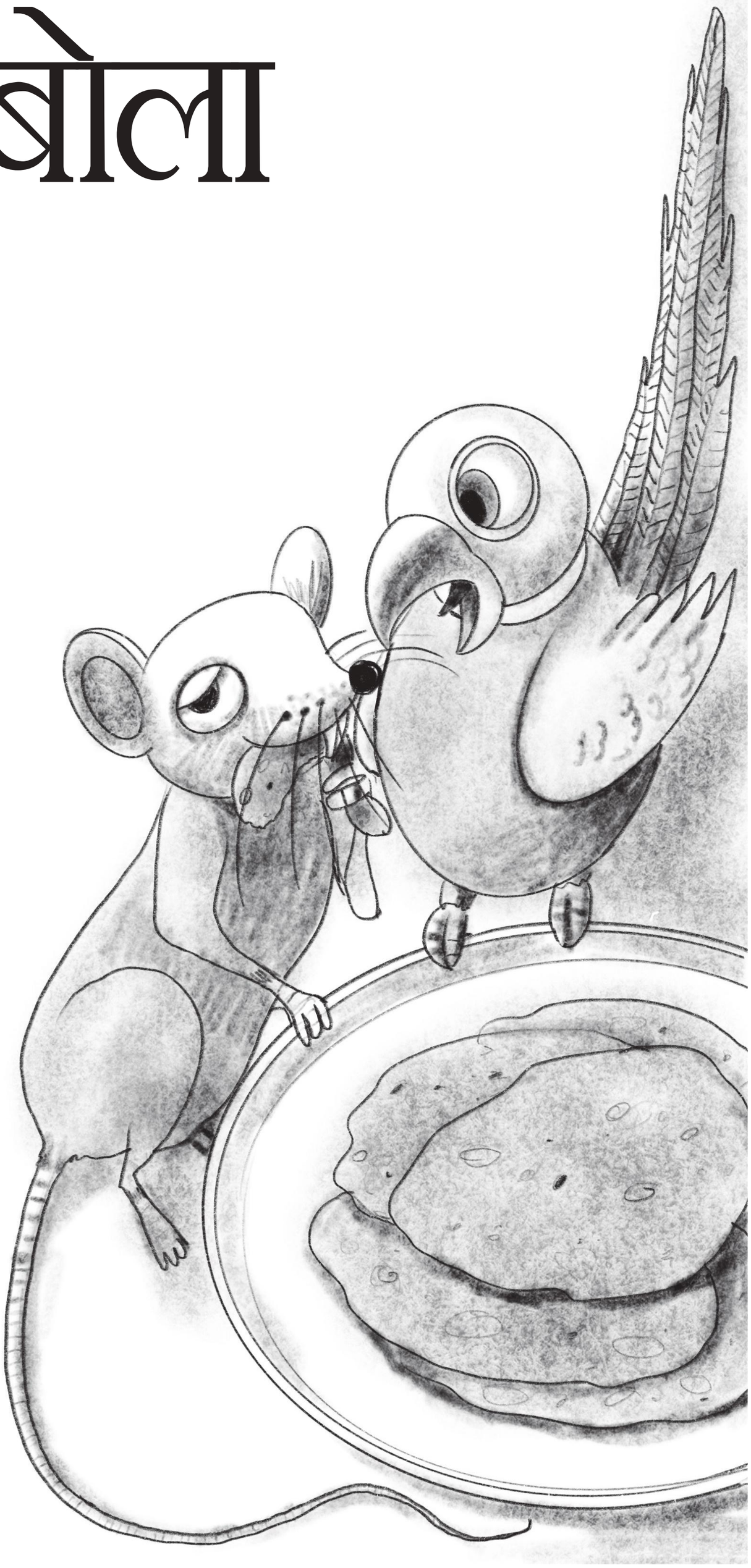

कविताः द्रोण साहू
चित्रांकनः निलेश गहलोत

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

Designed by www.stelladesignandprint.com